77.05 लाख लोगों को कार्य साधक साक्षर बनाने का है। बाद के वर्षों के लक्ष्य निधियों की मात्रा उपलब्ध होने और इस वर्ष के दौरान प्राप्त उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए तय किये जाएंगे।

शिक्षा संबंधी परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु विदेशों से धनराशि जुटाना

1870. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोडा :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनका मंत्रालय देश में शिक्षा संबंधी विभिन्न परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु विदेशों से धनराशि जुटाने के बारे में विचार कर रहा है ;

(ख) यदि हां, तो शिक्षा संबंधी ये परियोजनायें कौन-कौन सी हैं; और

(ग) इन परियोजनाओं के लिए कुल कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री पी० शिव शंकर) : (क) से (ग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा के कुल महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बहु पक्षीय और द्विपक्षीय स्रोतों के जरिए बाहरी वित्त पोषण की संभावना का पता लगा रहा है। चर्चाएं काफी प्रारंभिक स्तर पर हैं और ठोस परियोजनाओं को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

Grant of Special Increments to teachers of Kendriya Vidyalayas possessing M. Phil, Ph. D. degrees

1871. SHRI MOSTAFA BIN QUASEM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there was any provision earlier for grant of special increments to those teachers of Kendriya Vidyalayas who possessed/acquired Ph.D. or M. Phil, degrees;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) what are the reasons justification for discontinuation of the above practice;

(d) whether there is any demand for restoration thereof; and

(e) if so, what is the reaction thereto?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) No, Sir

(b) and (c) Do not arise.

(d) There is no such representation available in the records of Kendriya Vidyalaya Sangathan.

(e) Does not arise.

Permission to call applications by private organisations from students for study in USSR

1872. SHRI CHATURANAN MISHRA:

SHRI N. E. BALARAM:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the private organisations like Indo-Soviet Medical, Education Care and Research Foundation (Regd.), Delhi have been permitted to call applications from stu-dents for study in USSR;

(b) whether Government are awate that this organisation has charged Rs. 100|- for supplying application form and another R». IOO/- for the submission of application form;

(c) whether thig organisation has called applicants for interview in Taj Palace Hotel, Sardar Patel Marg, New Delhi, in Room 6 on the 22nd July, 1989 and have intimated the applicants to pay Rs. 30,000/- on selection for study in Moscow; and